

2^a

Reck = Mallejewen, Fritz Percival

auch: Friedrich.

- | | | |
|---|----|------------------|
| F. Von Räubern, Henkern und Soldaten. Als Stabsoffizier in
Rußland von 1917 - 1919. Berlin (1924) 174 S. | 8 | 1. 8° 867 |
| Sif. Das Weib, das den Mord. beging. München (1926) XI, 269 S. | 8 | 1. 8° 353 |
| Erni übersee. Roman. 2. bis 10. Tsd
Berlin (1918). 190 S. | 8° | 7. 8° 1286 R |
| Acht Kapitel für die Deutschen.
Großschönau / Sa. (1934). 149 S. | 8 | 9. 8° 664
X |
| Sophie Dorothee. Mitter Friedrichs des Grossen.
Berlin (1936). 303 S. | 8° | 10. 8° 2218
X |
| Bockelson. Geschichte eines Massenwahns.
Berlin (1937). 318 S. | 8° | 11. 8° 454 = 2 |
| dass. 2. Ex. | 8° | 33. 8° 2552 |
| Charlotte Corday. Gesh. e. Attentates
Berlin (1938.) 324 S. | 8° | 11. 8° 5183 |
| dass. 2. Ex. | 8° | 34. 8° 3745 |
| Der große Brief von Martin Luther bis Ludwig Thoma.
Berlin (1940) 170 S. | 8° | 14. 8° 4667 = 2 |
| Dass. Berlin [1944]. 174 S. | 8° | 32. 8° 4020 |
| Der Richter. Roman. 6. - 10. Tsd. Berlin [1941]. 208 S. | 8° | 15. 8° 3014 R |

wenden!